

पुस्तक-१५/४१०/१८३०-----

मुख्य लाइन,

राजा रघुनाथ।

लिखा:-

जी उद्योग प्रिया,  
हायारे मे बुद्धि विद्या, ग्रन्थ।

लिखा

कुमारजी,  
ब्रह्माचारी विद्यालय, दार्शन।

प्राप्ति, लिखा — रुपा, ४६

विषय — द्रव्यालय एवं भूमि का सरोच्चासाद, विद्यालय,  
महानी जी विद्यालय का देश में संरक्षण।

संशयः

उपर्युक्त लिखा पर आपने लिखा १००१६ लिखा

१०-१२०३ मेरे द्वारा द्वारा लिखा है जिसमें आपने उपर्युक्त  
महानी विद्यालय, विद्यालय (महानी) की साथ दो दो का  
द्वय वा एकाकी विद्यालय का विद्यालय (द्वय विद्यालय) द्वय विद्यालय  
एवं द्वय (१९३६-३७) मेरी द्वय द्वय के द्वय में विद्यालय महानी  
हो है। विषय लिखा लिखा है:-

लिखा कला:- लिखा, विद्यालय, विद्यालय, विद्यालय, विद्यालय,  
विद्यालय, विद्यालय, विद्यालय, विद्यालय, विद्यालय, विद्यालय,  
विद्यालय, विद्यालय, विद्यालय, विद्यालय, विद्यालय, विद्यालय।

(2) विद्यालय (१९३६), लिखा जी द्वय द्वय विद्यालय,

( उद्योग प्रिया )

हायारे मे बुद्धि विद्या, ग्रन्थ।

लिखा ११३८

प्राप्ति, लिखा २३ रुपा, ४६

विद्यालय विद्यालय (१९३६), लिखा/विद्यालय, विद्यालय विद्यालय

विद्यालय, विद्यालय विद्यालय, विद्यालय/विद्यालय, विद्यालय/विद्यालय विद्यालय  
१४ विद्यालय, विद्यालय, विद्यालय/विद्यालय, विद्यालय विद्यालय विद्यालय  
१४ विद्यालय, विद्यालय, विद्यालय विद्यालय विद्यालय।

( उद्योग प्रिया ) २३/३

प्राप्ति-३/८१-०१/३८-२०८०विषय- ३२। :

बिहार राज्य,  
भारतीय राज्य संघ, विभाग।

विभाग,

श्री उमा शंकर प्रसाद,  
सारकार के संस्कृत संचिलन, विभाग।

सेवा बोर्ड,

कुल अधिकारी,  
सांस्कृत सारांश विभाग, दिल्ली।

पटना, दिनांक- २ मार्च, १९८९।

विषय:- शुक्रवार सकाल उठने वाली विद्यार्थीयां वा उत्तर सम्पुर्णी को स्नान कराना (प्राप्ति-३/११) संदर्भ के ध्यान रखने के लिए दें।

महाराज,

उपर्युक्त विषय का प्रति प्रत्यक्ष ४०० दिनांक २१-३-८९ के दूसरे दिवस निर्देशनुसार कहना है कि राज्य सारकार ने शुक्रवार सकाल उठने वाली विद्यार्थीयां वा उत्तर सम्पुर्णी (सम्पुर्ण) स्नान कराना (प्राप्ति-३/११) के दूसरे दिवस प्रातः विभाग मार रात वारां खंडवन प्रदान करने से सहमात्र प्रदान किया है।

२- अहे दिवस असार स्नान रात द्वारा स्वयं विलोक्य आस राहत है। इस दिवस के असार द्वारा धारां विद्यार्थीयां वा विद्यार्थीयां आस वहन सर्वी करेगी।

३- निर्देशक (उच्च विभाग) को शुभिस का दिया गया है।

विभागालय,

८०/- ( उमा शंकर प्रसाद )

सारकार के संस्कृत संचिलन, विभाग।

जापांक- ३२।

पटना, दिनांक- २ मार्च, १९८९।

प्राप्ति-३/११ विभाग (उच्च विभाग), विभाग, पटना/संचिलन, जापांक सेवा आयोग, विभाग (पटना)/इंडियन संस्कृत विद्यालय वे प्रश्नान्वय/प्रश्नान्वय प्राप्ति-३/१४ से १५ नानव विभाग विभाग स्वयं वार्षिक उत्तर सम्पुर्णी की शुचनार्थ सर्व जाजराक वार्षिक प्रतिक्रिया

( उमा शंकर प्रसाद )

सारकार के संस्कृत संचिलन, विभाग।

पत्रांक - 15xए।-०।/८० ना०सं।४०७५

बिहार सरकार  
मानव संकाधन विभाग ।

प्रेषक,

मी. एम०णी० बन्धोपाध्याय,  
सरकार के अपर सचिव, बिहार ।

सेवा में,

पुलसी पद,  
तैनातीमि० दरभागा ।

पटना, १ फर्नाव ३० जनवरी १० ।

प्रेषण:- शक्ति० महतो जनता महाराजालय, खोजडी हृगढ़वनी० के  
महाराजा, संबधन के संबधन ।

उपर्युक्त विवरक आपके पत्रांक ५।५६ विवरांक ६-४-८७ के सर्वे में  
निदेशानुसार कहा है। कराज्य सरकार ने धूदेश महतो जनता महाराजालय  
खोजडी हृगढ़वनी० को स्नातक विकास संघ पास० संकाय के छंटर संघ प्रतिष्ठित  
भार राज्य स्थायी संबधन परिवार से तो ऐसे ही सहायि प्रदान की है।

संबधन के रूपांक अन्तर्भूत है।

पिक्नोन० पास० भौतिकी, रसायन, जन्मूलविज्ञान, वनस्पति विज्ञान, गोष्ठी एवं  
तात्त्विकी ।

वार्षिक दूपास० :- अभी गोश्वार्य गृह सीहीत ।

२- निषेधक उपर्याप्ति को सूचित कर दिया गया है।

प्रियवालभाणन

६०/- एन०णी० बन्धोपाध्याय

सरकार के अपर सचिव, बिहार ।

लैजिट नारायण गोप्तिका विषयीवालय  
पालवरदगर, दरभागा

पत्रांक - ६२५६-६०

विवरांक २८२-८-२४

प्राचीनियि प्रेषित :-

- १- प्रभारो प्राध्यायक, शुक्रवैष महतो जनता महाराजालय, खोजडी हृगढ़वनी०
- २- प्ररोक्षा नियन्त्रक, ल०ना०ग० विषयीवालय, दरभागा ।
- ३- संव्यवक, ल०ना०ग० विषयीवालय, दरभागा ।
- ४- वित्त पदाधिकारी, ल०ना०ग० विषयीवालय, दरभागा ।
- ५- अध्यक्ष, छात्र विषयीवालय, ल०ना०ग० विषयीवालय, दरभागा ।
- ६- एकार्स पदाधिकारी, ल०ना०ग० विषयीवालय, दरभागा ।

पुलसीयि  
पुलसीयि

८८८  
५।५।१०

प्रधानमंत्री-१५/४१-०१/८६ मार्गोंवा-

बिहार लरकार,  
मानव तंत्राभ्यन्तरिक्ष विभाग ।

प्रेषक,

ग्री महाकान्त लाल,  
सरकार के अधीक्ष सचिव, बिहार ।

लेखा में,

पुष्टि-संचयित,

ललित नारायण मिशन विश्वविद्यालय, दरभंगा ।

पटना, दिनांक- फरवरी, १९९२ ।

विषय:- पुष्टि-संचय भवतो जनता महाविद्यालय, खजु़ीह मधुबनी में प्राचीनता रत्नर के अध्यापन एवं जनुमानों के संबंध में ।

मान्द्रय,

उपरोक्त विषयक उपरोक्त प्रधानमंत्री-१५/४१-०१/८६ में प्राचीन ग्रंथों निदेश-  
ग्रंथों का उल्लेख है कि राष्ट्रपति सरकार ने सुनदेव ग्रंथों को महाविद्यालय, खजु़ीह,  
मधुबनी के अध्यापन एवं संचयित के लिए इन ग्रंथों को अनुमति दी थी। ये ग्रंथों की अनुमति विली दें है।  
प्राचीन कारने की छूटा की है:-

विषय:- जोली, हिन्दौ, मैथिली, रास्कृत, छत्तिङ्गात, राजनीति विद्यालय, तानि शास्त्र,  
भूगोल, साराज्ञात्क्र, जनो-धर्मान्, शृङ्ख विद्यालय, अर्थ शास्त्र संबंधी ग्रंथ ।

विद्यालय ग्रंथालय,

४०/- महाकान्त लाल  
सरकार के अधीक्ष सचिव, बिहार ।

प्रधानमंत्री-

(३)

पटना, दिनांक- १८ फरवरी, १९९२ ।

प्रधानमंत्री-१५/४१-०१/८६, बिहार, पटना/सचिव, कान्तेर देवा, अध्ययन-  
पद्धति/पाठ्यक्रम, सुनदेव ग्रंथों जनता महाविद्यालय, खजु़ीह माध्य-लद्दानीरां जिला-  
मधुबनी प्रश्ना-१४=१५ एवं संबंधित कार्यालय सहायकों को सूचनार्थ इन ग्रंथों का  
कार्यार्थ प्रेषित ।

१५/४१-०१/८६

४०/- महाकान्त लाल  
सरकार के अधीक्ष सचिव, बिहार ।

84-TR-15/CH/8630780-

विद्यार नेपाल,  
उच्च शिक्षा फैलाय ।

三

וְיִתְהַלֵּךְ בְּבָנֶיךָ וְיִמְלֹא כָּל־בָּנָיו  
בְּבָנָיו וְיִמְלֹא כָּל־בָּנָיו וְיִמְלֹא כָּל־בָּנָיו

卷之三

जी अधिक,  
मात्रा भवति तिनि फैलत विद्युतिरूप,  
स्वरूप।

Oct. 11, 1897.

卷之三

मात्रः— यदि विद्युत विद्युता, विद्युत, विद्युती का नाम।

卷之三

आर्युमा विनाम शब्दे क-संक 268 फॅल्स 16-1-90 रुप 9 रुप 174.70  
फॅल्स 9-2-91 के गुर्गे में निमोनियार दूधी जना है तो आज तक उन्होंने फॅ-  
ल्स लाए जाना है जो जना है तुलसी जना है जना है जना है जना है  
जना है तो जना है  
जना है जना है जना है जना है जना है जना है जना है जना है  
जना है जना है जना है जना है जना है जना है जना है जना है

प्राचीन	ठिक
१- शार्दूल	प्राचीन भारतीय लोकात् एवं लेन्दुलि, ग्रामीण अस्त्रावृत, भारती, एवं काशीवृषभ घार लिखा।
२- विष्णुप्राचीन	भारती, राज्य भारत, काशी लिखा, लेन्दुलि गणि, एवं सार्वदिव्यको लिखा ॥ लिखा ।
३- वापिज्ञानिकी	प्राचीन लिखा ।

## ‘ପ୍ରକାଶନମାତ୍ରା’

४०/ शास्त्र विभाग-१  
वर्षों के प्रति अधिकारी

କୁଳଧୂର୍ମପ

11 2 11

सापोक- 454,

पटना, बिहार- 27 पुस्तक, 94

प्रतिनिधि निदेशालय/उच्च निधान, विदार/विधिव, कालेज में सरकारी आधिकारी  
पटना/पृष्ठांचल प्रदानिकारी-14 एवं 15 तथा तथा उचित, विधिव गवाहाप्रदान  
सूचनाएँ प्रदान करने का अधिकारी नियमित।

11-10-1971

27.7.79

8 बांकुर इण्डियन ट्रैडिंग  
सरकार के अपर निधि, विदार।

प्राप्ति-15/सम।-०१/८६-उ०५।.....

बिहार सरकार,

भासव संसाधन विभाग। उच्च प्रिया॒ विभाग।

.....

प्रेषक,

गणित कुमार,  
सरकार के उप सचिव।

सेवा अ.

कुल सचिव,  
बलित नारायण मिश्रा विश्वविद्यालय,  
दरभंगा।

कियो-

पटना, दिनांक-.....अग्रृत, 2005.  
मुख्यमन्त्री भवती जनता महाविद्यालय, झाझीरह, लद्दनिया॑/मधुबनी॑ जौ  
स्नातक भड्ड का, कियो एवं वासिन्य संकाय में पात्र एवं प्राप्ति-०  
स्नातके शुर्च में संबंधन प्राप्त विधयों में संबंधन का दीर्घीकरण के  
बार्थ में।

महोदय,

*५१४  
२१-८०५  
२८-४-०५*  
गण्डंग में निदेशनालय सरकार कहा है कि राज्य सरकार ने विश्वविद्यालय के उपर्याके  
आलोक में मुख्यमन्त्री जनता महाविद्यालय, झाझीरह, लद्दनिया॑, मधुबनी॑ जौ स्नातक  
जनता, बिहार राज्य वासिन्य संकायों में पूर्व से संबंधन प्राप्त कियों में पात्र एवं  
इतिहास स्नातक का वित्त वादित सर्व इंसर्वीडिल्ट राजित बैठकिल सन-१९९०-९१ है  
२००३-०४ सनों तक के नियंत्रित विद्यार्थियों के साथ संबंधन के दीर्घीकरण के  
इस्तोब में सहमति प्रदान करने की कृपा की है।

॥ १॥ संबंधन की अवधि समाप्त होने पर महाविद्यालय किसी भी  
परिविधि में कानूनी वा नामांकन नहीं करेगा एवं अग्रें सब में भागीकरण के सर्व  
स्त्री निर्वाचित विद्यार्थी जौ महाविद्यालय द्वारा पूरा कर लिया जायगा।

॥ २॥ विश्वविद्यालय ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करे की संभावना  
दीर्घीकरण का उन्नताव अनुरूपा साधित संबंधन के समाप्ति है पूर्व राज्य सरकार को  
प्राप्त हो जाए, ताकि सरकार समय निर्धारित करे।

॥ ३॥ निदेशन, उच्च प्रिया॒ जौ सुचित किया गया है।

विश्वविद्यालय,

८०/-

गणित कुमार है,

सरकार के उप सचिव।

प्राप्ति-15/सम।-०१/८६-उ०५।...../पटना, दिनांक-.....अग्रृत, 2005.

उत्तिलिपि १- निदेशन, उच्च प्रिया॒, बिहार, पटना/सचिव, बिहार  
कालिक लेवा आयोग, पटना/प्राचार्य, मुख्यमन्त्री जनता महाविद्यालय, झाझीरह,  
लद्दनिया॑, मधुबनी॑/प्रशासना पदाधिकारी-। एवं २ को सुचनार्थ एवं आधारक कार्यार्थ  
प्रेषित।

१ गणित कुमार है,  
सरकार के उप सचिव।

पत्र संख्या-14 / ए-3-07 / 09 /

बिहार सरकार  
मानव संसाधन विकास विभाग

प्रेषक,

प्रकाश चन्द्र सिंह,  
सरकार के विशेष सचिव।

सेवा में,

कुल सचिव,  
ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय,  
दरभंगा।

पटना-15, दिनांक.....अगस्त, 2010

विषय:-

सुखदेव महतो जनता महाविद्यालय, खाजेडीह, मधुबनी को विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय के पूर्व से सम्बद्ध विषयों सहित कला संकाय के ग्रामीण अर्थशास्त्र, फारसी, संगीत एवं प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति विषयों में प्रतिष्ठा स्तर के लिए स्थायी संबंधन के संबंध में।

महाशय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक CR-1316/10 दिनांक 30.07.10 के प्रसंग में निदेशानुसार कहना है कि सुखदेव महतो जनता महाविद्यालय, खाजेडीह, मधुबनी को विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय के पूर्व से सम्बद्ध विषयों सहित कला संकाय के ग्रामीण अर्थशास्त्र, फारसी, संगीत एवं प्राचीन भारतीय इतिहास एवं संस्कृति विषयों में प्रतिष्ठा स्तरीय स्थायी संबंधन के लिए स्वीकृति प्रदान करने के प्रस्ताव में सहमति प्रदान की जाती है।

उपरोक्त सभी विषयों में स्थायी संबंधन इस शर्त के साथ दी जाती है कि आदेशपाल के 5 पद को कम करते हुए उन्हें सेवा से हटावें एवं तत्पश्चात ही इन्हें वित्तीय अनुदान प्रदान की जायगी।

विश्वासभाजन,

ह0/-

(प्रकाश चन्द्र सिंह)  
सरकार के विशेष सचिव

ज्ञापांक

2651 /

पटना-15, दिनांक २५....अगस्त, 2010

प्रतिलिपि— निदेशक, उच्च शिक्षा, मानव संसाधन विकास विभाग, पटना / प्राचार्य, सुखदेव महतो जनता महाविद्यालय, खाजेडीह, मधुबनी को उनके पत्रांक-42 दिनांक 05.07.10 के प्रसंग में सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

2651  
सरकार के विशेष सचिव  
25.8.10